

आज भिलनी नू चढ़ गया चा/अँज भिलटी नूं चड़ु गिआ चाअ

अँज भिलटी नूं चड़ु गिआ चाअ

युन- सारी रात तेरा तँकदी आं राह
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ चाअ,
मेरे घर, राम आऐ ने ॥
लवां, कुटीआ नूं, खुब सजा,
मेरे घर, राम आऐ ने ॥
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ,,,,,

अंदर, जावे, बाहर आवे ।
भिलटी, नूं कुछ, समझ ना आवे ॥
हो लवां, नैटां दी, झुकी लगा ।
मेरे घर, राम आऐ ने ।
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ,,,,,

रिस्ती, मुनी सब, दरम्मन पाउंदे ।
अंधरें, देवते, हृल वरमाउंदे ॥
हो लवां, रँज रँज दरम्मन पा ।
मेरे घर, राम आऐ ने ।
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ,,,,,

राम, पूछु दा, दरम्मन पाईषे ।
जीवन, आपणा, मढ़ल बणाईषे ॥
हो लवां, नैटां दी, पिआम बुझा ।
मेरे घर, राम आऐ ने ।
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ,,,,,

जंगल, जावां, बेर लिआवां ।
आपणे, राम जी नूं, भेग लगावां ॥
हो लवां, हँसां दे, नाल खिला ।
मेरे घर, राम आऐ ने ।
अँज, भिलटी नूं, चड़ु गिआ,,,,,

अपलेडर- अनिलरामुरतीडेपाल

Lyrics in Hindi

धुन - सारी रात तेरा तकदी आं राह
अज भिलणी नूं चढ़ गया चाअ
मेरे घर राम आए ने ॥
लवा, कुटिया नूं खूब सजा,

मेरे घर राम आए ने ॥
अज भिलणी नूं चढ़ गया...

अंदर जावे, बाहर आवे,
भिलणी नूं कछ समझ न आवे ॥
हो लवा, नैणा दी, झड़ी लगा,
मेरे घर राम आए ने ॥
अज भिलणी नूं चढ़ गया...

ऋषि, मुनि सब, दर्शन पाउंदे,
अंबरों, देवते, फूल वरसाउंदे ॥
हो लवा, रज्ज रज्ज दर्शन पा,
मेरे घर राम आए ने ॥
अज भिलणी नूं चढ़ गया...

राम प्रभु दा, दर्शन पाईए,
जीवन, आपणा, सफल बनाईए ॥
हो लवा, नैणा दी, प्यास बुझा,
मेरे घर राम आए ने ॥
अज भिलणी नूं चढ़ गया...

जंगल जावां, बेर ल्यावां,
आपणे राम जी नूं भोग लगावां ॥
हो लवा, हथां दे, नाल खिला,
मेरे घर राम आए ने ॥
अज भिलणी नूं चढ़ गया...

अपलोडर - अनिलराममूर्ति भोपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34658/title/aji-bhilni-nu-chadh-gaya-chaa>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।